10 to 30 december 2025 press cutting

संस्कृति, वंशानुक्रम और मानव मूल्यों पर संगोष्ठी

जगदलपुर, 14 दिसंबर (देशबंध)। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान एवं जनजातीय अध्ययनशाला द्वारा शुक्रवार को च्ह्यूमन ट्रेट्स एंड इनहेरिटेंस इन द वर्ल्ड ऑफ वेरियर एल्विन च्ह विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. मिथुन सिकदार, सुपरिन्टेंडिंग एंथ्रोपोलॉजिस्ट एवं कार्यालय प्रमुख, मानव विज्ञान सर्वेक्षण, दक्षिण क्षेत्रीय केंद्र, मैसूर तथा डॉ. सुभ्रा बारिक, मानव विज्ञान सर्वेक्षण, मध्य क्षेत्रीय केंद्र, नागपुर कार्यालय प्रमुख उपस्थित रहे। डॉ. मिथुन सिकदार ने अपने उद्बोधन में मानव लक्षणों, वंशानुक्रम के प्रकार, एक ही जीन से उत्पन्न होने वाले गुण, वंशानुगत रोगों, तथा परिवार और समाज में गुणों के प्रसार जैसे अनेक महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने समझाया कि मनुष्य में पाए जाने वाले कई गुण माता-पिता से संतान में विभिन्न तरीकों से पहुँचते हैं और यही प्रक्रिया जैविक विविधता एवं मानव विकास को निर्धारित करती है। उन्होंने यह भी बताया कि वंशानुक्रम केवल जैविक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण, समाज, परिवार और संस्कृति से प्रभावित होकर मनुष्य के व्यक्तित्व को आकार देती है। डॉ. सुभ्रा बारिक ने कहा कि संस्कृति एक निरंतर बहने वाली प्रक्रिया है, जो समय और परिस्थिति के अनुसार बदलती रहती है। कभी संस्कृति में व्यापक परिवर्तन होता है और कभी यह व्यवहार, परंपराओं या जानकारी के स्तर पर रूपांतरित होती है। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज का विकास उसकी जनसंख्या संरचना, संसाधनों के उपयोग, पारिवारिक संरचना तथा सांस्कृतिक स्वरूप पर निर्भर होता है। वेरियर एल्विन के विचारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि स्थानीय समुदायों के जीवन-मूल्यों, आस्थाओं, पारंपरिक ज्ञान और जीवन-पद्धति को सम्मानपूर्वक संरक्षित करना अत्यंत आवश्यक है। यही विचार मानवता और सहअस्तित्व को मजबूत करते हैं। डॉ. पियूष रंजन साहू ने कहा कि मानव विज्ञान एक ऐसा विषय है जिसमें मनुष्य के जीवन से जुड़े जैविक, सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक सभी पहलू समाहित होते हैं। उन्होंने कहा कि मानव लक्षणों और सांस्कृतिक विरासत को एक साथ समझने से मानव समाज की संरचना और विकास के गहरे आयाम स्पष्ट होते हैं। कार्यक्रम संयोजक डॉ. सुकृता तिर्की, सह प्राध्यापक, मानव विज्ञान एवं जनजातीय अध्ययनशाला ने स्वागत उद्बोधन में विषय की आवश्यकता और महत्व पर प्रकाश डालते हुए मुख्य वक्ताओं के मानव विज्ञान के क्षेत्र में योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में शोध और अध्ययन के प्रति प्रेरणा जगाते हैं। डॉ. शारदा देवांगन ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों, वक्ताओं और विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी ऐसे सार्थक आयोजन जारी रखने की बात कही। संचालन डॉ. गायत्री सोनी ने किया।

राज्यस्तरीय एनएसएस समीक्षा बैठक में शमक विवि चमका

हरिभूमि न्यूज ▸▸ जगदलपुर

भारत सरकार युवा खेल मंत्रालय एवं उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय सेवा योजना की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक गुरुवार को

- **बस्तर के जनकल्याणकारी कार्यों को मिली विशेष सराहना**

एनएसएस प्रकोष्ठ, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर में आयोजित हुई। बैठक में सत्र 2025-26 के मुख्य एजेंडा पर विस्तार से चर्चा की गई।

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक डॉ सजीवन कुमार ने विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित सभी एनएसएस इकाइयों की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने बस्तर में आयोजित होने वाले सात दिवसीय विशेष शिविरों एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों की रूपरेखा भी साझा की। राज्य एनएसएस अधिकारी द्वारा शमक विवि के कार्यों के साथ-साथ कांकेर जिले में चलाए गए जनकल्याणकारी गतिविधियों और विशेष शिविर आयोजन पर जिला संगठक भागीरथी नायक की सराहना की गई।

डॉ. सजीवन ने आगामी सत्र 2025-26 के लिए बस्तर में प्रस्तावित राज्य स्तरीय एनएसएस कैंप की संभावित तिथि प्रदान किए जाने पर राज्य एनएसएस

अधिकारी के प्रति आभार व्यक्त किया।

बैठक में शासन द्वारा प्रदत्त अनुदान राशि, उपयोगिता प्रमाणपत्र,राज्य स्तरीय विशेष शिविर आयोजन, स्वयंसेवकों के पंजीयन,वार्षिक कैलेंडर,विश्वविद्यालय स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक तथा माय भारत पोर्टल पर पंजीयन व कार्यक्रम निर्माण जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण चर्चा की गई। बैठक में विभिन्न विश्वविद्यालयों के कार्यक्रम समन्वयक तथा जिलों के जिला संगठक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर राज्य एनएसएस अधिकारी डॉ नीता बाजपेयी सहित सभी कार्यक्रम समन्वयकों एवं जिला संगठकों का सम्मान किया गया। बैठक में पं रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक डॉ गजपाल ने स्वागत उद्बोधन दिया। विश्वविद्यालय की ओर से जिला संगठक भगवान दास चांडक, मौसमी विश्वास,अनीता झा एवं कार्यालय सहायक हरीश रामटेक की उपस्थिति रही। रायपुर में आयोजित राज्यस्तरीय एनएसएस समीक्षा बैठक में 2025-26 के वार्षिक एजेंडा पर व्यापक विमर्श हुआ। शमक विवि की सभी इकाइयों ने उत्कृष्ट कार्यों के कारण राज्य स्तर पर प्रशंसा अर्जित की। वहीं कांकेर जिले में जनकल्याण और जागरूकता आधारित कार्यक्रमों के लिए जिला संगठक भागीरथी नायक की सराहना हुई।

बस्तर में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय एनएसएस कैंप की संभावित तिथि प्रदान किए जाने से क्षेत्रीय गतिविधियों को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई गई। बैठक ने अनुदान,पंजीयन, विशेष शिविर, माय भारत पोर्टल एवं वार्षिक योजना निर्माण पर सुविचारित मार्गदर्शन का आधार तैयार किया, जिससे आगामी सत्र में एनएसएस कार्यों की गति और प्रभाव दोनों बढ़ने की संभावनाएं प्रबल हुईं।

शमक विवि में मानव विज्ञान पर सारगर्भित संगोष्ठी का हुआ आयोजन

बच्चों में माता-पिता के कई गुण होते हैं समाहित : सिकदार

नवभारत रिपोर्टर। जगदलपुर।

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान एवं जनजातीय अध्ययनशाला द्वारा शुक्रवार को ''ह्यूमन ट्रेट्स एंड इनहेरिटेंस इन द वर्ल्ड ऑफ वेरियर एल्विन'' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. मिथुन सिकदार, सुपरिन्टेंडिंग एंथ्रोपोलॉजिस्ट एवं कार्यालय प्रमुख, मानव विज्ञान सर्वेक्षण, दक्षिण क्षेत्रीय केंद्र, मैसूर तथा डॉ. सुभ्रा बारिक, मानव विज्ञान सर्वेक्षण, मध्य क्षेत्रीय केंद्र, नागपुर कार्यालय प्रमुख उपस्थित रहे।

मुख्य वक्ता डॉ. मिथुन सिकदार ने अपने उद्बोधन में मानव लक्षणों, वंशानुक्रम के प्रकार, एक ही जीन से उत्पन्न होने वाले गुण, वंशानुगत रोगों, तथा परिवार और समाज में गुणों के प्रसार जैसे अनेक महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने समझाया कि

संस्कृति निरंतर चलने वाली प्रक्रिया : डॉ शुभ्रा

डॉ. सुभ्रा बारिक ने कहा कि संस्कृति एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, जो समय और परिस्थिति के अनुसार बदलती रहती है। कभी संस्कृति में व्यापक परिवर्तन होता है और कभी यह व्यवहार, परंपराओं या जानकारी के स्तर पर रूपांतरित होती है। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज का विकास उसकी जनसंख्या संरचना, संसाधनों के उपयोग, पारिवारिक संरचना तथा सांस्कृतिक स्वरूप पर निर्भर होता है।

पहुँचते हैं और यही प्रक्रिया जैविक विविधता एवं मानव विकास को निर्धारित करती है। उन्होंने यह भी बताया कि वंशानुक्रम केवल जैविक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण, समाज, परिवार और

संयोजक डॉ. सुकृता तिर्की, सह प्राध्यापक, मानव विज्ञान एवं जनजातीय अध्ययनशाला ने स्वागत उद्बोधन में विषय की आवश्यकता और महत्व पर प्रकाश डालते हुए मुख्य वक्ताओं के

व्याख्यान

बस्तर विवि में विशेष व्याख्यान का किया गया आयोजन

370 हटाने केंद्र के होमवर्क की भूमिका रही अहम

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

गुरुवार को शमक विवि में विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

जगदलपुर . जम्मू कश्मीर भारत माता का मुकुटमणि है। रामायण-महाभारत, पुराणों आदि ग्रंथों में इसका उल्लेख है। बड़े ही पर्यत्नों से हम-सबने जम्मू-कश्मीर को बचाया है। अब हमें जम्मू-कश्मीर को लेकर न केवल शेष बची भ्रांतियों को मिटाना है बल्कि विकास के साथ उस अखंड भारतीय भूमि पर हुए अनधिकृत कब्जे को भी हटाने के संकल्प को पूरा करने का प्रयास करना है। उक्त विचार गुरूवार को शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में आयोजित विशेष व्याख्यान में जम्मू-कश्मीर अध्ययन केंद्र, छत्तीसगढ़ प्रान्त प्रमुख देश दीपक सिंह ने व्यक्त किए।

अपने उद्बोधन में दीपक ने जम्मू-कश्मीर के भौगोलिक व राजनीतिक क्षेत्र पर पीपीटी के माध्यम से विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि धारा 370 हटाने में जम्मू-कश्मीर अध्ययन केंद्र का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। धारा 370 हटाने के लिए होमवर्क करने के लिए ही इस केंद्र की स्थापना हुई थी। केंद्र ने इसके लिए 10 हजार पेज का डॉक्यूमेंटेशन किया था। दीपक ने बताया कि अभी करीब जम्मू-कश्मीर के एक लाख 22 हजार वर्ग किलोमीटर पर अनधिकृत कब्जा है। इस वेदना को महसूस करते हुए इसके लिए प्रयास करना हम सबकी जिम्मेदारी है।

जम्मू-कश्मीर के अनधिकृत कब्जे को मुक्त करने के संकल्प के साथ इस उद्देश्य को अगली पी?ी तक पहुंचाने का क्रम भी जारी रखना है। दीपक ने बताया कि पांच अगस्त 2019 जम्मू-कश्मीर में धारा 370 खत्म होने के बाद बहुआयामी परिवर्तन हुए हैं। नए पर्यटन क्षेत्र स्थलों का विकास, होम स्टे सुविधा, कश्मीर के प्रोडक्ट को सही बाजार देने जैसे कई काम तेजी से हो रहे हैं। छह सौ में 250 मंदिरों का जीर्णोद्धार हो चुका है। अब वहां सारे हिंदू पर्व त्यौहार हर्षोल्लास और शोभायात्रा के साथ मनाए जा रहे हैं। सामान्य लोगों को भी सत्ता में भागीदारी मिल रही है। दीपक ने कहा कि जम्मू-कश्मीर गलत नैरेटिव का शिकार रहा है। जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र इसे मिटाने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में विलय पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले राजा हरिसिंह कट्टर देशभक्त थे। इससे पहले स्वागत उद्बोधन एवं अतिथि परिचय अंग्रेजी अध्ययनशाला के प्रो.एमएस मिश्रा ने कराया। संचालन डॉ. कुश नायक ने की एवं डॉ. समीर ठाकुर ने आभार उद्बोधन किया । इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. राजेश लालवानी एवं विभिन्न विभागों के प्राध्यापक एवं अतिथि व्याख्याता उपस्थित रहे।

300 स्वयंसेवकों ने जुटाए 42 बैग कचरा, दिया स्वच्छता का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर, जगदलपुर द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में बुधवार को चित्रकोट जलप्रपात परिसर में मेगा स्वच्छता अभियान आयोजित हुआ। कार्यक्रम में जनपद पंचायत लोहंडीगुड़ा के उपाध्यक्ष डॉ बसंत कश्यप, आंदोराम (सरपंच), मंडल अध्यक्ष मंगलू राम, मंडल महामंत्री चन्द्रशेखर ठाकुर, कुलसचिव डॉ राजेश लालवानी, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम समन्वयक डॉ सजीवन कुमार, विभागाध्यक्ष डॉ सुकृता तिर्की, कार्यक्रम अधिकारी डॉ भुनेश्वर लाल साहू तथा जिला संगठक सुश्री मौसमी विश्वास की उपस्थिति में स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र पर पूजा-अर्चना व दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

चित्रकोट जलप्रपात में बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं, हाल के वर्षों में बढ़ते प्लास्टिक कचरे से प्रभावित हुआ है। इसी चिंता को केंद्र में रखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा स्वच्छता जागरूकता अभियान प्रारंभ किया गया, जिसमें 300 स्वयंसेवकों और 16 कार्यक्रम अधिकारियों ने सहभागिता की।

मेगा स्वच्छता अभियान चित्रकोट जलप्रपात में एनएसएस की अनूठी पहल

स्वच्छता संदेश एक नई सोच

चित्रकोट जैसे विश्वप्रसिद्ध पर्यटन स्थल पर कचरा मुक्त वातावरण बनाना केवल प्रशासनिक जिम्मेदारी नहीं बल्कि समाज की साझा चेतना का दायित्व है। एनएसएस इकाइयों का यह प्रयास न सिर्फ सफाई बल्कि पीढ़ियों को स्वच्छता संस्कृति सौंपने का अभियान है विचार, जागरूकता और जिम्मेदारी का संगम।

स्वयंसेवकों ने प्रातः से ही जलप्रपात परिसर में फैले कचरे को एकत्र कर 42 बड़े काले बैगों में संकलित किया। साथ ही सभी उपस्थितों ने भविष्य में किसी भी प्रकार की अस्वच्छता न होने की सामूहिक प्रतिज्ञा ली। स्वयंसेवकों ने पर्यटकों और स्थानीय लोगों को प्लास्टिक मुक्त पर्यटन स्थल का संदेश देते हुए रैली निकाली। जनपद उपाध्यक्ष डॉ बसंत कश्यप, मंडल अध्यक्ष मांगलूराम कश्यप,मंडल महामंत्री चन्द्रशेखर ठाकुर,मीडिया प्रभारी भारत कश्यप, तुलाराम शेट्टी,सरपंच आंदोराम,उपसरपंच त्रिलोचन सेठिया सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने उद्बोधन में स्वच्छता को सेवा, और सेवा को 'सत्यम शिवम सुंदरम' की उपाधि दी। कुलसचिव डॉ राजेश लालवानी ने कहा कि राष्ट्र सेवा की भावना ही देश की वास्तविक उन्नति का मार्ग है। जिला संगठक सुश्री मौसमी विश्वास ने स्वच्छता को सतत और निरंतर प्रक्रिया बताया, वहीं कार्यक्रम समन्वयक डॉ संजीवन कुमार ने इसे देश की अभिन्न प्रवृत्ति करार दिया। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों सुश्री दिव्या देवांगन,भुवनेश्वर कश्यप,सुश्री पूजा नाग और वैभव चौधरी ने अपने अनुभव गीतों और विचारों के माध्यम से साझा किए।

आयोजनः एसएचजी ने अपने बिजनेस आईडिया को दिए शब्द और चित्र, दो-दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

गांव में जाकर महिलाएं देंगी मार्केटप्लेस की ट्रेनिंग

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जगदलपुर. आईआईटी भिलाई और शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय मार्केटप्लेस साक्षरता कार्यशाला का समापन बुधवार को हुआ। कृषि महाविद्यालय, के ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यशाला के अंतिम दिन प्रशिक्षण ले रहीं स्वसहायता समूह की महिलाओं ने ग्रुप बनाकर अपने-अपने बिजनेस आईडिया को लेकर संचार चित्र बनाए। ड्राइंग शीट पर बनाए मॉडल में महिलाओं ने बस्तर में कई प्रकार के ग्रामीण स्टार्टअप प्रारंभ किए जाने की संभावनाओं की नई जानकारी दी।

इस अवसर पर प्रतिभागियों ने व्यवसाय में व्यवहार और सिद्धांत के आधार पर क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए को लेकर सूची बनाई। अपने बिजनेस व प्रोडक्ट को लेकर चित्र, डिजाईन और संदेश बनाए। कार्यशाला में एनआरएलएम व एसएलआरएम से जुड़ी बस्तर संभाग के 400 स्वसहायता समूह की महिलाओं ने पूरे मनोयोग से व्यवसायिक बारीकियों को समझा।

इस दौरान प्रमुख रिसोर्स पर्सन लांस एंजिल्स, अमेरिका के लोयोला मैरीमाउंट यूनिवर्सिटी के प्रो. मधु विश्वनाथन ने बताया कि बिजनेस में ग्राहक बहुत महत्वपूर्ण होता है। एक लाभदायी व्यवसाय के लिए ग्राहक को समझना बहुत जरूरी है। जब आप अपने व्यवसायिक लेन-देन में ग्राहक के प्रति ईमानदार होते हैं और ग्राहक के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करते हैं, उन्हें धोखा नहीं देते हैं तो ग्राहक एक बार ही प्रोडक्ट का मूल्य नहीं देते बल्कि वे आप पर विश्वास कर आगे भी जुड़े रहते हैं।

जगदलपुर. दो-दिवसीय कार्यशाला के समापन पर अपने हुनर को दर्शाती महिलाएं।

बाजार को विकसित करने की समझ विकसित हुई

पत्रिका ने दो दिवसीय कार्यशाला में आई स्वसहायता समूह की महिलाओं से चर्चा की। इनमें नारायणपुर के ओरछा व सुकमा जिले के एर्राबोर जैसे अंदरुनी इलाकों से आई महिलाएं शामिल थीं। इन महिलाओं ने बताया कि कार्यशाला में आकर अपने अपने इलाके में बाजार व्यवस्था को विकसित करने का आइडिया मिला है। एर्राबोर की समूह ने डेयरी प्रोडक्ट की ओर ध्यान देने की सीख मिलने की जानकारी दी। अन्य समूहों ने विश्वविद्यालय से जुड़े रहने व सलाह लेने एक प्लेटफार्म की जरुरत पर बल दिया।

इन्होंने दिया सहयोग

कार्यशाला में एसएलआरएम के संयुक्त मिशन संचालक आरके झा, मनोज मिश्रा, नीलेश लाखेरानी, राजकुमार देवांगन, डॉ. तूलिका शर्मा, डॉ. समीर ठाकुर, डॉ. दुर्गेश डिक्सेना, डॉ. तेजबहादुर चंद्रा, डॉ. डिगेश्वर साहू, डॉ. देवेंद्र मरावी, डॉ. कुश नायक, डॉ. नीरज कुमार वर्मा, डॉ अनुष्का आतरम एवं शिवम सोनवानी, आईआईटी भिलाई के मुख्य तकनीकी अधिकारी विष्णु वैभव द्विवेदी, मिस आंचल, शुभम एवं छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के संकुलस्तरीय पदाधिकारी एवं उद्यमिता से जुड़े कैडर ने सक्रिय सहभागिता दी। कार्यशाला का संचालन डॉ रश्मि देवांगन ने की।

दूसरे चरण में इन्वेस्टर्स को बुलाने की योजना

दो दिवसीय इस कार्यशाला में संभाग भर से आई हुई महिलाओं को एनएलआरएम और एसएलआरएम के माध्यम से सरकार ने आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करने की जानकारी दी गई है। स्वसहायता समूह की महिलाओं के व्यवसायिक दृष्टिकोण से स्थानीय व्यवसाय को उल्लेखनीय उन्नति मिलेगी। विवि की कोशिश है कि आने वाले समय में इनके प्रोडक्ट को राज्य व अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने बड़े इन्वेस्टर्स को आमंत्रित करेंगे। -**प्रो मनोज कुमार श्रीवास्तव,** कुलपति

सीमित बाजार की समस्या से जूझ रहा बस्तर : कुलपति

शमक विश्वविद्यालय में दो दिवसीय मार्केटप्लेस साक्षरता कार्यशाला

नवभारत रिपोर्टर। जगदलपुर।

बस्तर संभाग की स्व-सहायता समूह की महिलाओं को बिजनेस के व्यापक पक्षों की जानकारी देने दो दिवसीय मार्केटप्लेस साक्षरता कार्यशाला मंगलवार को प्रारंभ हुआ। शहीद महेंद्र कर्मा विवि एवं आईआईटी भिलाई की ओर से शहीद गुंडाधुर कृषि महाविद्यालय, जगदलपुर में आयोजित इस वर्कशॉप में संभाग के करीब 400 स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वनवासी कल्याण आश्रम के प्रांत संगठन मंत्री रामनाथ कश्यप, मुख्य प्रशिक्षक लोयोला मैरीमाउंट यूनिवर्सिटी, लांस एंजिल्स, अमेरिका के कॉलेज ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मार्केटिंग विभाग के प्रोफेसर मधु विश्वनाथन एवं कुलपति मनोज कुमार श्रीवास्तव सहित अन्य उपस्थित रहे। अपने स्वागत उद्बोधन में प्रो. श्रीवास्तव ने कहा कि यह कार्यशाला एक अभियान की तरह है जो बस्तर की महिलाओं को सशक्त बनाने व उनमें आत्मविश्वास जागरित करने का काम करेगा। उन्होंने कहा कि बस्तर सीमित बाजार से जूझ रहा है। यहां केवल उत्पादन ही महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि लोगों को सही बाजार, सही दाम जैसे व्यवसायिक पक्षों की जानकारी होना जरूरी है। प्रो. श्रीवास्तव ने बताया कि आर्थिक व सामाजिक परिवर्तन के लिए आयोजित इस कार्यशाला की सराहना प्रदेश शासन के कई मंत्री महोदय ने की है। बस्तर संभाग के सभी जिले को देश के विकसित जिले में शामिल करने लिए यह कार्यशाला महत्वपूर्ण योगदान देगा। कार्यक्रम में विभाग प्रचारक यज्ञ सिंह, आयोजन के संयोजक डॉ. तुलिका शर्मा सहित अन्य उपस्थित थे। आईआईएम अहमदाबाद के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ अरूण श्रीकुमार ने कहा कि आप सभी नव उद्यमी बनकर ग्राहकों की समस्या का निदान कर सकते हैं। आप अपने स्थानीय बाजार के अवसर और मार्केटिंग को समझकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था के कस्टमर की मांग को पूरा कर सकते हैं। संचालन डॉ रश्मि देवांगन ने किया व धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ राजेश लालवानी ने दिया।

तीखुर की आइस्क्रीम का हो सकता है बड़ा बाजार

मुख्य अतिथि वनवासी कल्याण आश्रम के प्रांत संगठन मंत्री रामनाथ कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ में वस्तु विनिमय के आधार पर जीवन संचालन की व्यवसायिक परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि बस्तर की जो परंपरागत चीजें हैं उसे हम बड़ा व्यापारिक स्वरूप व मॉडल दे सकते हैं। यहां के तीखुर के आईसक्रीम का बड़ा बाजार हो सकता है। श्री कश्यप ने कहा कि हम सभी को स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ना है ताकि दुनिया के लोग बस्तर आएं और बस्तर का नाम दुनिया में प्रतिष्ठित हो।

बस्तर की महिलाएं मेहनती व जुझारू

आईआईटी भिलाई के मुख्य तकनीकी अधिकारी विष्णु वैभव द्विवेदी ने कहा कि बस्तर की स्वसहायता समूह की महिलाएं मेहनती एवं जुझारू हैं। यह प्रशिक्षण एक दीर्घकालिक निवेश है। इससे उन्हें बाजार को समझने की ताकत मिलेगी। श्री द्विवेदी ने कहा कि कार्यशाला के माध्यम से स्वरोजगार संबंधी छोटे-छोटे सपनों को साकार करने की आकांक्षी महिलाओं को ग्राहक की सोच, प्रोडक्ट की कीमत, मुनाफा, नुकसान समझने का मौका मिलेगा।

आयोजन शमक विवि और आईआईटी भिलाई कर रहा मार्केट प्लेस कार्यशाला

समूह की महिलाएं कार्यशाला में जान रहीं बाजार को

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जगदलपुर . बस्तर संभाग की स्वसहायता समूह की महिलाओं को व्यवसाय और बाजार की बारीक समझ देने के उद्देश्य से दो दिवसीय मार्केटप्लेस साक्षरता कार्यशाला का शुभारंभ मंगलवार को किया गया। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय और आईआईटी भिलाई के संयुक्त तत्वावधान में शहीद गुंडाधुर कृषि महाविद्यालय, जगदलपुर में आयोजित इस कार्यशाला में संभाग भर से करीब 400 स्वसहायता समूह की महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वनवासी कल्याण आश्रम के प्रांत संगठन मंत्री रामनाथ कश्यप रहे। जबकि मुख्य प्रशिक्षक के रूप में अमेरिका की लोयोला मैरीमाउंट यूनिवर्सिटी, लॉस एंजिल्स के कॉलेज ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन के मार्केटिंग विभाग के प्रोफेसर मधु विश्वनाथन मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने की।

कार्यशाला के दौरान कृषि महाविद्यालय में मौजूद संभागभर से पहुंचीं महिलाएं।

महिलाओं में आत्मविश्वास जगाने का अभियान: कुलपति: स्वागत उद्बोधन में कुलपति प्रो. श्रीवास्तव ने कहा कि यह कार्यशाला केवल प्रशिक्षण नहीं, बल्कि बस्तर की महिलाओं को सशक्त बनाने का एक अभियान है। उन्होंने कहा कि बस्तर उत्पादन के साथ-साथ बाजार की सीमाओं से भी जूझ रहा है। सही बाजार, सही दाम और सही ग्राहक की जानकारी के बिना आर्थिक सशक्तिकरण संभव नहीं है। उन्होंने बताया कि इस पहल की सराहना प्रदेश शासन के कई मंत्रियों ने भी की है और यह कार्यशाला बस्तर के सभी जिलों को विकसित जिलों की श्रेणी में लाने में मददगार साबित होगी।

नियद नेल्लानार योजना के ग्रामों में अब डिजिटल क्रांति के प्रयास

शमक विवि द्वारा बीजापुर के गांवों में मोबाईल बैंकिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

जगदलपुर, 22 दिसम्बर। सुदूर नक्सल प्रभावित क्षेत्र में लोगों को मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई राज्य सरकार की नियद नेल्लानार योजना में योगदान देने शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय ने भी कदम बढ़ाया है। शुक्रवार को विवि के कम्प्यूटर अनुप्रयोग अध्ययनशाला द्वारा बीजापुर जिले में गंगालूर तहसील के पदेड़ा, चेरपाल एवं पालनार गांव में डिजिटल एवं मोबाईल बैंकिंग को बढ़ावा देने की दिशा में ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर प्रशिक्षकों, स्व सहायता समूह के सदस्यों, स्थानीय दुकानदारों तथा ग्रामीण बैंक पेशेवरों को डिजिटल एवं मोबाइल बैंकिंग से संबंधित व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को सुरक्षित डिजिटल लेन-देन, मोबाइल बैंकिंग एप उपयोग करने, यूपीआई के द्वारा पैसे भेजने, साइबर फ्राड से बचने, पिन व ओटीपी साझा न करने सहित अन्य डिजिटल व वित्तीय साक्षरता की जानकारी दी गई। इस दौरान प्रतिभागियों ने न केवल क्यूआर कोड के माध्यम से भुगतान करना सीखा बल्कि वे क्यूआर कोड जनरेट करना भी जाना।

प्रोजेक्ट को प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर व कंप्यूटर अनुप्रयोग अध्ययनशाला के विभागाध्यक्ष डॉ. तेज बहादुर चन्द्रा, सहायक प्राध्यापक राजेश्वरी नेताम (सह-प्रधान अन्वेषक) एवं सोशल वर्क के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. डिगेश्वर साहू ने कहा कि डिजिटल व मोबाइल बैंकिंग से स्थानीय स्तर पर कैशलेस लेन-देन को बढ़ावा मिलेगा।

ग्रामीण मोबाइल व अन्य डिजिटल डिवाइस संचालित कर तकनीकी रूप से सशक्त होंगे। यह पहल सुदूर नक्सल प्रभावित क्षेत्र में डिजिटल सशक्तिकरण और वित्तीय समावेशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। डॉ. चन्द्रा ने बताया कि अगले कार्यक्रम में इन नियद नेल्लानार ग्रामों की सभी महिलाओं के लिए व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिससे अधिक से अधिक संख्या में महिलाएं डिजिटल बैंकिंग एवं भुगतान प्रणाली से जुड़कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। कुलपति प्रो एमके श्रीवास्तव ने प्रोजेक्ट टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण बस्तर क्षेत्र में डिजिटल क्रांति के सपनों को साकार करेगा। ग्रामीण आत्मनिर्भरता और सुविधा के लिए तकनीक और डिजिटलाइजेशन को अपनाने प्रेरित होंगे। गांव और शहर के बीच डिजिटल डिवाइडेड की दूरी कम होगी। प्रो श्रीवास्तव ने बताया कि आगे के महीनों में बस्तर संभाग के गांवों में जागरूकता लाने और उन्हें स्वावलंबी बनाने कई और प्रोजेक्ट शुरू किए जाएंगे।

प्रशिक्षण में पदेड़ा ग्राम सरपंच मंजू कुंजाम, पालनार सरपंच मालती तामी, चेरपाल की सरपंच सावित्री एवं सचिव, एनआरएलएम से जुड़े अधिकारी एवं विश्वविद्यालय के यूजी एवं पीजी के विद्यार्थी उपस्थित रहे। ज्ञात हो कि यह परियोजना छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी परिषद रायपुर द्वारा प्रायोजित है, जिसका उद्देश्य सुदूर नक्सल प्रभावित क्षेत्र के नियद नेल्लानार ग्राम(आपका आदर्श गांव) की महिलाओं एवं स्व सहायता समूहों को डिजिटल और मोबाइल बैंकिंग अपनाने हेतु सक्षम बनाना है।

प्रशिक्षण : आईआईटी भिलाई, बस्तर विवि के संयुक्त तत्वावधान में मार्केटप्लेस साक्षरता कार्यशाला कल से

बस्तरिया महिलाओं को लासएंजिल्स के प्रोफेसर सिखाएंगे मार्केटिंग

कुम्हरावंड में आयोजन, संभाग भर से स्वसहायता समूह की 395 महिलाओं को मिलेगा प्रशिक्षण

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जगदलपुर बस्तर में घर- परिवार के साथ ही बाजार में कारोबार करने वाली महिलाएं ग्रामीण व शहरी अर्थ व्यवस्था की रीढ़ हैं। पीढ़ियों से महिलाएं यह कार्य बखूबी करती आ रही हैं। इसे सामाजिक स्वीकार्यता भी है। बस्तर के सभी साप्ताहिक हाट-बाजार में महिलाएं दुकान संभालती आसानी से दिख जाती हैं। अब इन महिलाओं के परंपरागत ज्ञान को साक्षरता का जामा पहनाने की कोशिश आईआईटी भिलाई व बस्तर विश्वविद्यालय ने करने की ठानी है। इनका सहयोग करने के लिए यूएसए से प्रोफेसर भी बस्तर पहुंच रहे हैं।

प्रो मधु विश्वनाथन

संभाग भर की 395 महिला स्वसहायता समूह की सदस्यों को लोयोला मैरीमाउंट यूनिवर्सिटी, लांस एंजिल्स, अमेरिका के कॉलेज ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मार्केटिंग विभाग के प्रोफेसर मधु विश्वनाथन प्रशिक्षण देंगे। प्रो मधु विश्वनाथन इन महिलाओं को मार्केटप्लेस साक्षरता विषय पर जरुरी ज्ञान देंगे। प्रो मधु ने बताया कि यह आयोजन महिलाओं को सशक्त व स्वावलंबी बनाने एवं उन्हें बाजार के अवसरों से जोड़ने के उद्देश्य से किया जा रहा है। समूह के सदस्यों में बाजार प्रक्रिया को लेकर जागरूकता लाने, उपभोक्ता संबंधी निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने और उनमें उद्यमशीलता को मजबूत करने प्रशिक्षण दिया जाएगा।

दो दिवसीय मार्केट संबंधी प्रशिक्षण लेंगी महिलाएं

आईआईटी भिलाई एवं शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 23 एवं 24 दिसंबर को शहीद गुंडाधुर कृषि महाविद्यालय, कुम्हरावंड के ऑडिटोरियम में का आयोजन रखा गया है। उद्घाटन सत्र 23 जनवरी को सुबह साढ़े नौ बजे से प्रारंभ होगा। प्रथम सत्र के मुख्य प्रशिक्षक के रूप में प्रोफेसर मधु विश्वनाथन उपस्थित रहेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में आईआईटी भिलाई के निदेशक प्रो. राजीव प्रकाश, वनवासी कल्याण आश्रम के प्रांत संगठन मंत्री रामनाथ कश्यप, छग राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, रायपुर के निदेशक अश्वनी देवांगन, स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत समन्वयक जगदीश पटेल, विभाग प्रचारक यज्ञ सिंह, विवि कार्यपरिषद् सदस्य राजीव शर्मा उपस्थित रहेंगे। अध्यक्षता कुलपति प्रो. एमके श्रीवास्तव करेंगे।

सांस्कृतिक दल अपनी प्रस्तुतियां देंगे

इसमें छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के संकुलस्तरीय पदाधिकारी एवं उद्यमिता से जुड़े कैडर भी भाग लेंगे। समन्वयक डॉ. तुलिका शर्मा, रश्मि देवांगन, विष्णु वैभव द्विवेदी ने बताया कि प्रशिक्षण में बस्तर, कोंडागांव व कांकेर संभाग से 70-70, सुकमा, दंतेवाड़ा व बीजापुर से 50-50 और नारायणपुर से 35 स्व सहायकता समूह की महिलाएं शामिल होंगी। अलग अलग कालेज से आए हुए सांस्कृतिक दल अपनी प्रस्तुतियां देंगे। कार्यशाला में सुदूर क्षेत्र से आने वाली सभी महिलाओं के ठहरने व खान-पान की सुविधा शमक विश्वविद्यालय द्वारा की गई है।

दैनिक भास्कर

बस्तर भास्कर 21-12-2025

स्टूडेंट विजिट • छात्र पहुंचे भास्कर कार्यालय, विभिन्न विभागों के काम की ली जानकारी

बस्तर विवि के पत्रकारिता के छात्रों ने समझा, कैसे बनाया जाता है अखबार

भास्कर न्यूज | जगदलपुर

बस्तर विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग के छात्रों ने दैनिक भास्कर कार्यालय का दौरा किया। इस दौरान छात्रों को अखबार के विभिन्न विभागों और कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। छात्रों ने जाना कि अखबार कैसे बनता है और विभिन्न विभाग किस तरह मिलकर काम करते हैं।

पत्रकारिता विभाग की प्रो. डॉ. प्रज्ञा गुप्ता छात्रों के साथ मौजूद रहीं। छात्रों को स्टेट एडिटर (ईएमएम) परीक्षित त्रिपाठी, ब्यूरो चीफ मो. इमरान नेवी, सीनियर रिपोर्टर ऋषि भटनागर, मार्केटिंग हेड सुब्रजीत मजूमदार और सर्कुलेशन हेड महावीर मिश्रा ने अखबार से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी। इस दौरान छात्रों को बताया गया कि

पत्रकारिता डिपार्टमेंट के छात्रों के साथ चर्चा करते हुए स्टेट एडिटर (ईएमएम) परीक्षित त्रिपाठी व अन्य।

न्यूज रूम का भी दौरा किया, जिससे उन्हें वास्तविक कार्यप्रणाली देखने का अवसर मिला। छात्रों ने कहा कि यह दौरा उनके लिए बेहद शिक्षाप्रद और प्रेरणादायक रहा। उन्होंने सीखा कि एक अखबार केवल खबरों का संग्रह नहीं, बल्कि टीमवर्क और प्रक्रियाओं का संयोजन होता है।

इस अवसर पर पत्रकारिता विभाग की प्रो. डॉ. प्रज्ञा गुप्ता ने कहा कि वास्तविक अनुभव छात्रों के लिए कक्षा की पढ़ाई को और अधिक प्रभावशाली बनाता है। ऐसे दौरे से पत्रकारिता के छात्रों को प्रैक्टिकल ज्ञान, इंडस्ट्री समझ और भविष्य की तैयारी में मदद मिलती है। दैनिक भास्कर के अधिकारियों ने छात्रों को आश्वस्त किया कि वे अपने करियर में सीखने और अनुभव लेने के लिए ऐसे मौके

महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय की पुरुष टेबल टेनिस टीम प्री-क्वालीफायर राउंड में पहुंची

भास्कर न्यूज़ | कोंडागांव

पूर्वी जोन अंतर विवि टेबल टेनिस स्पर्धा के दौरान मैच खेलते खिलाड़ी।

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर जगदलपुर की टेबल टेनिस पुरुष टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पूर्वी जोन अंतर-विश्वविद्यालयीन टेबल टेनिस प्रतियोगिता में लगातार जीत दर्ज कर ऑल इंडिया प्री-क्वालीफायर राउंड के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। इस टीम में शासकीय गुंडाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, के छात्र परमिन चंद नाग एवं अंशु तिवारी विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। प्रतियोगिता का आयोजन पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा भारतीय खेल महासंघ के बैनर तले 15 से 18 दिसंबर तक किया जा रहा है, जिसमें पूर्वी जोन के लगभग 40 विश्वविद्यालयों की टीमें भाग ले रही हैं।

प्रतियोगिता के अपने पहले मुकाबले में शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय की टीम ने शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय को 3–0 से पराजित किया। इसके पश्चात द्वितीय राउंड में राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश को 4–1 से तथा तीसरे राउंड में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, इम्फाल को भी 4–1 से हराकर टीम ने शानदार जीत दर्ज की। इन लगातार जीतों के साथ टीम ने ऑल इंडिया प्री-क्वालीफायर राउंड क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। अब टीम का अगला मुकाबला कलकत्ता विश्वविद्यालय से होगा।यह शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर जगदलपुर के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, क्योंकि विश्वविद्यालय की टेबल टेनिस पुरुष टीम ने पूर्वी जोन में पहली बार प्री-क्वालीफायर राउंड तक पहुंचने का गौरव प्राप्त किया है।

टीम के कोच एचआर यदु क्रीड़ाधिकारी, शासकीय गुण्डाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोंडागांव हैं, जबकि टीम मैनेजर महेंद्र रजक, क्रीड़ाधिकारी, इंदू केवट शासकीय कन्या महाविद्यालय कांकेर हैं। इस उल्लेखनीय सफलता पर डॉ सरला आत्राम प्राचार्य शासकीय गुण्डाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोंडागांव, संचालक, शारीरिक शिक्षा एवं क्रीड़ा, शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर जगदलपुर बीएल कैंवट सहित विश्वविद्यालय के समस्त क्रीड़ाधिकारियों ने खिलाड़ियों, टीम कोच एवं टीम मैनेजर को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि टीम आगामी मुकाबलों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय एवं पूरे बस्तर क्षेत्र का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करेगी।

ठोस एवं प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन पर विद्यार्थियों के नवाचारी विचारों ने बटोरी सराहना

- माइक्रो प्लास्टिक से जैविक समाधान तक, हैकाथॉन में उभरे पर्यावरण संरक्षण के नए मॉडल
- प्लास्टिक कचरा बनेगा संसाधन
- शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में हैकाथॉन कार्यक्रम का आयोजन

जगदलपुर, 16 दिसंबर (देशबन्धु)। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर में एसीईङ्क्यूनिसेफ के तत्वावधान में मंगलवार को हैकाथॉन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की थीम ठोस एवं प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन रही। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में नवाचार को प्रोत्साहित करना तथा पर्यावरण संरक्षण से जुड़े व्यावहारिक समाधान विकसित करना था। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे एवं यूनिसेफ के डीआरआर अधिकारी विशाल वासवानी, स्टेट कंसल्टेंट आशीष कुमार, एसीई के सचिव महेश अग्रवाल एवं विश्वविद्यालय के सहायक कुलसचिव देव चरण गावड़े उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि भारत में माइक्रो प्लास्टिक एक गंभीर और उभरती हुई समस्या बन चुकी है, जिसका प्रभाव पर्यावरण के साथ-साथ मानव स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक के रिसाइकल एवं जैविक उपचार पर शोध वर्तमान समय की आवश्यकता है। इस प्रकार के हैकाथॉन कार्यक्रम शोधार्थियों और विद्यार्थियों को समाजोपयोगी अनुसंधान की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने आयोजन के लिए एसीई-यूनिसेफ को शुभकामनाएं दीं। यूनिसेफ के डीआरआर अधिकारी विशाल वासवानी ने कहा कि प्लास्टिक प्रदूषण एक वैश्विक समस्या है, किंतु इसके समाधान स्थानीय स्तर पर खोजे जाने चाहिए। बस्तर विकास की ओर अग्रसर है, इसलिए इसे प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने जलवायु परिवर्तन को वर्तमान समय की सबसे बड़ी चुनौती बताते हुए कहा कि प्राकृतिक आपदाओं का बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन है। ऐसे में हमें ऐसे समाधान विकसित करने होंगे जो सरल, सुलभ और आम जनमानस द्वारा आसानी से अपनाए जा सकें।

स्टेट कंसल्टेंट आशीष कुमार ने कहा कि रिफ्यूज़, रिड्यूस, रियूज़ व रिसाइकल ये चार सिद्धांत ही प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन का आधार हैं। यदि इन्हें दैनिक जीवन में अपनाया जाए, तो प्लास्टिक प्रदूषण की समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। इस हैकाथॉन में कुल 13 चयनित समूहों ने अपने नवाचारी विचारों के साथ प्रस्तुति दी। प्रतिभागियों का चयन आवेदन पत्रों के माध्यम से किया गया था। प्रस्तुतीकरण एवं विचारों की मौलिकता के आधार पर जूरी द्वारा मूल्यांकन किया गया, जिसमें प्रो. शरद नेमा एवं डॉ. मणिशंकर मिश्रा मुख्य रूप से रहे। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने प्राप्त किया जिनमें प्रज्ञा वैद, देहुती, हिमानी व सूर्य प्रकाश रहे। उनके विचार भूमिगत कूड़ेदान व्यवस्था, कचरा बीनने वालों के औपचारिक समावेशन एवं प्लास्टिक पुन: उपयोग इकाइयों पर आधारित थे, जिससे शहरी स्वच्छता और सामाजिक समावेशन को बढ़ावा मिल सकता है। यह टीम डॉ. राकेश कुमार खरवार के मार्गदर्शन में कार्यरत रही। द्वितीय स्थान एम.एससी. माइक्रोबायोलॉजी तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों को मिला जिसमें रूतिना श्रीवास्तव, आस्था , रिया जैन, संस्कृति, धनराज सोनवानी रहे। टीम की जैविक अपघटन आधारित स्मार्ट कम्पोस्टिंग किट रसोई एवं बगीचे के कचरे को उपयोगी खाद में परिवर्तित करने पर केंद्रित थी, जिससे अपशिष्ट प्रबंधन के साथ जैविक खेती को बढ़ावा मिल सकता है। तृतीय स्थान माइक्रोबायोलॉजी प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने प्राप्त किया जिसमें अन्तरा दास, अमीशा कुंजाम, खुशी दत्ता, प्रियंका बिसोई, संगीता दास, उमा भारती, बिना गौर व तनीष्का राय रही। उनके द्वारा प्रस्तुत मल्टीएंजाइम जैव-उपचार प्रणाली माइक्रो प्लास्टिक प्रदूषण को जैविक प्रक्रिया के माध्यम से कम करने पर आधारित थी, जिससे पर्यावरण के अनुकूल समाधान संभव हो सकता है। द्वितीय व तृतीय टीम के मेंटर डॉ. कृष्ण कुमार वर्मा रहे। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले समूहों को क्रमश: रू.10,000, रू.5,000 एवं रू.3,000 की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। उल्लेखनीय है कि हैकाथॉन से पूर्व एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया था, जिसमें विद्यार्थियों को हैकाथॉन की प्रक्रिया, विषयवस्तु एवं सहभागिता से अवगत कराया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कुश नायक ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. समीर ठाकुर द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

ठोस एवं प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन की सराहना

जगदलपुर। शमक विवि में एसीई-यूनिसेफ के तत्वावधान में मंगलवार को हैकाथॉन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की थीम ठोस एवं प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन रही। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में नवाचार को प्रोत्साहित करना तथा पर्यावरण संरक्षण से जुड़े व्यावहारिक समाधान विकसित करना था। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव एवं यूनिसेफ के डीआरआर अधिकारी विशाल वासवानी, स्टेट कंसल्टेंट आशीष कुमार, एसीई के सचिव महेश अग्रवाल एवं विवि के सहायक कुलसचिव देवचरण गावड़े की उप स्थिति में विवि के विद्यार्थियों के अपशिष्ट प्रबंधन को सराहना मिली।

बस्तर विश्वविद्यालय की पहल • महिलाओं के लिए दो दिवसीय मार्केटप्लेस साक्षरता कार्यशाला का होगा आयोजन

विशेषज्ञों से बिजनेस सीखेंगी 300 आदिवासी महिलाएं

भास्कर न्यूज | जगदलपुर

मधु विश्वनाथन

महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बस्तर विश्वविद्यालय द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। अमेरीका और भिलाई यूनिवर्सिटी के संयुक्त प्रयास से यूनिवर्सिटी में अमेरिकी विशेषज्ञ बस्तर की 300 आदिवासी महिलाओं को बिजनेस के गुर सिखाएंगे।

इसके तहत विश्वविद्यालय के तत्वावधान में 23 और 24 दिसंबर को दो दिवसीय मार्केटप्लेस साक्षरता कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में आईआईटी भिलाई तकनीकी और अकादमिक सहयोगी की भूमिका निभा रहा है।। यह कार्यशाला सुबह 9:30 बजे से शहीद गुंडाधुर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, कुम्हरावंड जगदलपुर के ऑडिटोरियम में आयोजित होगी। बस्तर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य बस्तर की आदिवासी महिलाओं को केवल आर्थिक सहायता तक सीमित न रखकर उन्हें व्यवहारिक ज्ञान और बाजार की समझ से सशक्त बनाना है। अमेरिका के विशेषज्ञों और आईआईटी भिलाई के सहयोग से आयोजित यह कार्यशाला महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने, छोटे व्यवसाय शुरू करने और उन्हें सफलतापूर्वक आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कार्यशाला में बस्तर संभाग के सात जिलों से चयनित 300 आदिवासी महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें विशेष रूप से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनएलआरएम) से जुड़ी महिलाओं को शामिल किया गया है। आईआईटी भिलाई और अमेरिका की लॉयला मेरीमाउंट यूनिवर्सिटी से जुड़े अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शिक्षाविद प्रो. मधु विश्वनाथन मुख्य प्रशिक्षक के रूप में शामिल होंगे। वे महिलाओं को व्यवसाय शुरू करने, उसे बाजार से जोड़ने और सफल बनाने के व्यावहारिक बिजनेस गुर साझा करेंगे।

एनएलआरएम में पहली बार ट्रेनिंग पर जोर

अब तक एनएलआरएम से जुड़ी महिलाओं को व्यवसाय के लिए केवल आर्थिक सहायता दी जाती थी, लेकिन व्यवसायिक प्रशिक्षण नहीं दिया जाता था। बस्तर विश्वविद्यालय की इस पहल के जरिए महिलाओं को पैसे के साथ-साथ ज्ञान और कौशल भी उपलब्ध कराया जाएगा। इस कार्यशाला का उद्देश्य महिलाओं में बाजार और विपणन की समझ, आत्मविश्वास और निर्णय लेने की क्षमता, छोटे व्यवसाय और उद्यमिता को बढ़ावा देना और आर्थिक आत्मनिर्भरता को मजबूत करना है।

अमेरिका के विशेषज्ञ देंगे व्यावसायिक प्रशिक्षण

कार्यक्रम की विशेषता यह है कि इसमें अमेरिका के विशेषज्ञ आदिवासी महिलाओं को व्यवसाय से जुड़ी व्यावहारिक ट्रेनिंग देंगे। महिलाओं को बाजार की समझ, विपणन कौशल, ग्राहक व्यवहार, मूल्य निर्धारण और छोटे व्यवसाय को सफलतापूर्वक संचालित करने के गुर सिखाए जाएंगे। यह कार्यशाला मार्केटप्लेस लिटरेसी प्रोजेक्ट के अंतर्गत आयोजित की जा रही है, जिसमें लॉयला मेरीमाउंट यूनिवर्सिटी (यूएसए) के डीके किम फाउंडेशन बिजनेस फॉर गुड प्रोग्राम का सहयोग प्राप्त है।